ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

05 November 2024

ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024

सन्दर्भ: हाल ही में, WHO ने ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024 जारी की, जिसके अनुसार भारत ने तपेदिक (टीबी) के खिलाफ अपनी लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति की है, 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 मामलों से 2023 में 195 तक 17.7% की गिरावट दर्ज की गई है।

- यह उपलब्धि 8.3% की वैश्विक गिरावट से दोगुनी से भी अधिक है। इस सफलता का श्रेय मुख्य रूप से देश भर में 1.7 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को विकेंद्रीकृत करने के सरकार के प्रयासों को जाता है।

मुख्य उपलब्धियाँ:

- **उपचार कवरेज:** भारत का उपचार कवरेज 2023 में 89% तक बढ़ गया है, जो 2015 में 72% से उल्लेखनीय वृद्धि है। यह प्रगति छूटे हुए मामलों के अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण रही है।
- **मृत्यु दर में कमी:** देश में टीबी से संबंधित मौतों में 21.4% की गिरावट देखी गई है, जो प्रति लाख जनसंख्या पर 28 मौतों से घटकर 22 हो गई है।
- **बढ़ी हुई फंडिंग:** टीबी बजट में आवंटन में अभूतपूर्व 5.3 गुना वृद्धि देखी गई है, जो 2015 में 640 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 3,400 करोड़ हो गई है। इस वित्तीय बढ़ावा ने टीबी प्रबंधन में संसाधनों को बढ़ाने की अनुमति दी है।

World Health Organization

सरकारी पहल:

- **निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई):** सरकार ने एनपीवाई के तहत सहायता को बढ़ावा दिया है, टीबी रोगियों के लिए मासिक भत्ता 500 से बढ़ाकर 1,000 कर दिया है। इस वृद्धि का उद्देश्य उपचार करा रहे लोगों को बेहतर पोषण सहायता प्रदान करना है।
- **ऊर्जा सघन पोषण अनुपूरण (ईडीएनएस):** ईडीएनएस की शुरूआत से लगभग 12 लाख कुपोषित टीबी रोगियों को लाभ हुआ है।
- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम निदान उपकरण:** निदान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए, सरकार 800 से अधिक AI-सक्षम पोर्टेबल चेस्ट एक्स-रे मशीनें खरीद की है। ये भारत के व्यापक टीबी प्रयोगशाला नेटवर्क का पूरक होंगे, जिसमें 7,767 रैपिड आणविक परीक्षण सुविधाएँ शामिल हैं।

तपेदिक के बारे में:

- तपेदिक (टीबी) एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है, जो बेसिलस माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होता है।
- **रोकथाम:** बेसिल कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी) वैक्सीन टीबी के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रदान करती है।

ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी क्या है?

- ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी तब होता है जब माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया एक या अधिक एंटी-टीबी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाता है, जिससे उपचार के प्रयास जटिल हो जाते हैं।

ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के प्रकार:

- **मल्टी-ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी (एमडीआर-टीबी):** कम से कम दो फर्स्ट-लाइन टीबी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी: आइसोनियाजिड और रिफैम्पिसिन।
- **व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी टीबी (एक्सडीआर-टीबी):** एमडीआर-टीबी होने के अलावा, किसी भी फ्लोरोक्विनोलोन और कम से कम तीन इंजेक्शन वाली दूसरी पंक्ति की दवाओं के प्रति प्रतिरोधी।
- **पूरी तरह से दवा प्रतिरोधी टीबी (टीडीआर-टीबी):** सभी उपलब्ध टीबी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी।

निष्कर्ष:

भारत की प्रगति के लिए डब्ल्यूएचओ की मान्यता पिछले आठ वर्षों में टीबी देखभाल में एक आदर्श बदलाव को दर्शाती है। निरंतर सरकारी प्रतिबद्धता, अभिनव स्वास्थ्य सेवा रणनीतियों और रोगी कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत तपेदिक के बोझ को और कम करने और टीबी उन्मूलन के अपने लक्ष्य के करीब पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में है।

ब्लैक होल ट्रिपल सिस्टम

सन्दर्भ: हाल ही में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और एमआईटी के शोधकर्ताओं ने सिग्नी नामक 'ब्लैक होल ट्रिपल' प्रणाली की खोज की है, जोकि पृथ्वी से लगभग 8,000 प्रकाश वर्ष दूर सिग्नस तारामंडल में स्थित है।

- नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में पहली बार ट्रिपल ब्लैक होल वाली प्रणाली का उल्लेख हुआ है, जोकि ब्लैक होल निर्माण की प्रक्रिया पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

ब्लैक होल ट्रिपल सिस्टम:

- ब्लैक होल अंतरिक्ष में ऐसे क्षेत्र होते हैं जहाँ गुरुत्वाकर्षण बल इतना

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

अत्यधिक होता है कि न तो प्रकाश और न ही कोई अन्य पदार्थ इससे बाहर निकल सकता है। सामान्यत: ये विशाल तारों के सुपरनोवा विस्फोट के उपरांत उनके विघटन से उत्पन्न होते हैं। तथापि, वी404 सिग्नी की अद्वितीय संरचना इस पारंपरिक सिद्धांत को चुनौती देती है और इसकी उत्पत्ति के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

- वी404 सिग्नी एक 'ब्लैक होल ट्रिपल' प्रणाली है, जिसमें एक केंद्रीय ब्लैक होल के साथ दो साथी तारे स्थित हैं। इनमें एक तारा निकटवर्ती कक्षा में है, जबकि दूसरा अधिक दूर स्थित है, जो लगभग 70,000 वर्षों में ब्लैक होल की एक परिक्रमा पूरी करता है।
- खगोलीय डेटा का विश्लेषण करते हुए शोधकर्ताओं ने सिग्नस तारामंडल में स्थित इस प्रणाली की पहचान की है। यह ब्लैक होल सूर्य के द्रव्यमान का लगभग नौ गुना है और दोनों परिक्रमा करने वाले तारों के मध्य स्थित है।
- निकटस्थ तारा ब्लैक होल की परिक्रमा 6.5 दिनों में पूरी करता है, जबकि दूरस्थ तारा, जिसकी परिक्रमा गुरुत्वाकर्षण संबंधों से पुष्ट होती है, हजारों वर्षों में इसे पूर्ण करता है।

ब्लैक होल निर्माण:

- **पारंपरिक मॉडल:** यह मान्यता है कि अधिकांश ब्लैक होल सुपरनोवा के माध्यम से उत्पन्न होते हैं, जोकि एक विशाल विस्फोट हैं और एक तारे के जीवन का अंत कर देते हैं।
- **स्वत: पतन की प्रकिया:** वी404 सिग्नी एक वैकल्पिक संरचना है जिसे 'स्व पतन' के रूप में जाना जाता है, जहाँ एक तारा बिना किसी हिंसक विस्फोट के अपने गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में ढह जाता है। यह 'विफल सुपरनोवा' या पतन की प्रक्रिया के कारण बाहरी तारों को संरक्षित करता है, जिससे त्रिगुणित प्रणाली का निर्माण होता है।

खोज के निहितार्थ:

- **द्विआधारी से त्रिगुणित विकास:** वी404 सिग्नी द्वारा अपने आंतरिक तारे को धीरे-धीरे निगलने की प्रक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि पूर्व ज्ञात कई द्विआधारी प्रणालियाँ प्रारंभ में त्रिगुणित प्रणालियाँ रही होंगी।
- **ब्लैक होल अध्ययन पर प्रभाव:** यह खोज ब्लैक होल प्रणालियों के गठन और संरचना के पुनर्मूल्यांकन का मार्ग प्रशस्त करती है, जो यह संकेत देती है कि अन्य त्रिगुणित प्रणालियाँ भी अस्तित्व में हो सकती हैं, लेकिन समय के साथ बाइनरी अवस्था में विकसित हो सकती हैं।
- यह खोज ब्लैक होल के जीवन चक्र के संबंध में अमूल्य जानकारी प्रदान करती है और ब्लैक होल प्रणालियों के विकास के सिद्धांतों को पुन: परिभाषित करने की क्षमता रखती है। इसके अलावा, यह अंतरिक्ष अन्वेषण और खगोलभौतिकीय अनुसंधान के लिए नई दिशाएँ भी प्रशस्त कर सकती है।

चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से ब्राजील बाहर

सन्दर्भ: हाल ही में ब्राजील ने आधिकारिक तौर पर चीन की बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) में शामिल न होने के घोषणा की, जिससे वह भारत के बाद ब्रिक्स ब्लॉक का दूसरा सदस्य बन गया, जिसने इस बहु-अरब डॉलर की बुनियादी ढांचा परियोजना में भागीदारी से इनकार कर दिया।

- इस निर्णय से ब्राजील ने चीन के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बजाय अपनी स्वयं की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए चीनी निवेशकों के साथ तालमेल तलाशने को प्राथमिकता दी है।

बेल्ट एंड रोड पहल (BRI) के बारे में:

- BRI, जिसे शुरू में 2013 में 'वन बेल्ट वन रोड' के रूप में लॉन्च किया गया था, का उद्देश्य भूमि और समुद्री नेटवर्क के माध्यम से एशिया को अफ्रीका और यूरोप से जोड़ना है। इसके प्राथमिक उद्देश्यों में क्षेत्रीय एकीकरण में सुधार, व्यापार में वृद्धि और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना शामिल है। इस पहल में शामिल हैं:
  - » सिल्क रोड आर्थिक बेल्ट: एक ट्रांस-महाद्वीपीय मार्ग।
  - » समुद्री सिल्क रोड: एक समुद्री मार्ग।
- बीआरआई में बंदरगाहों और परिवहन नेटवर्क सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में महत्वपूर्ण निवेश शामिल है।

बीआरआई के संबंध में भारत की प्रमुख चिंताएँ:

- **संप्रभुता:** बीआरआई की प्रमुख परियोजना, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC), पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गिलगित बाल्टिस्तान को पार करती है, जिसे भारत अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है।
- **भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा:** बीआरआई के वित्तीय प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कम ब्याज वाले ऋण दक्षिण एशिया में भारत के प्रभाव को कमजोर कर सकते हैं।
- **ऋण स्थिरता:** चीनी ऋण के कारण भागीदार देशों पर पड़ने वाले अस्थिर ऋण बोझ के बारे में चिंताएं ऋण जाल की धारणा को जन्म देती हैं, जिससे वे चीन के प्रभाव के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं।
- **सुरक्षा संबंधी खतरे:** हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को भारत सुरक्षा चिंता के रूप में देखता है, विशेष रूप से स्ट्रिंग ऑफ

पर्ल्स नीति के तहत।

बीआरआई का मुकाबला करने के लिए भारत द्वारा उठाए गए प्रमुख कदम:

- जी7 समूह द्वारा वैश्विक अवसंरचना और निवेश (पीजीआईआई) और बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड (बी3डब्ल्यू) साझेदारी।
- भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC), जिसे भारत की G-20 अध्यक्षता के दौरान लॉन्च किया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (INSTC), जो हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को कैस्पियन सागर से जोड़ता है।

भू-राजनीतिक निहितार्थ:

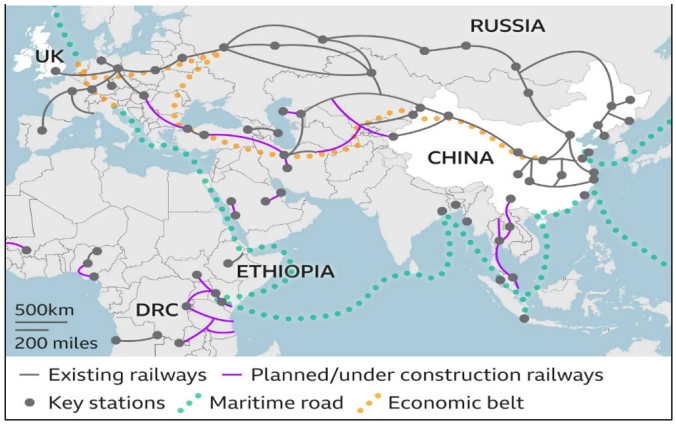

- ब्राजील, इटली और फिलीपींस सहित उन देशों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) से खुद को अलग कर लिया है। हालाँकि ब्राजील और चीन के बीच व्यापार संबंध बहुत अच्छे हैं (लगभग $180 बिलियन प्रति वर्ष) लेकिन चीनी निवेश पर निर्भरता के बारे में ब्राजील के भीतर सतर्कता बढ़ रही है।
- वर्तमान में, ब्राजील को हर साल लगभग $3 बिलियन का चीनी निवेश मिलता है, जिससे इसकी आर्थिक रणनीति और क्षेत्रीय साझेदारी का महत्वपूर्ण पुनर्मूल्यांकन हो रहा है।
- बीआरआई की यह अस्वीकृति भारत के पहले के विरोध से मेल खाती है, जिसने संप्रभुता, संभावित ऋण जाल और बीआरआई परियोजनाओं में पारदर्शिता की कमी के बारे में चिंताएँ जताई थीं। भारत का रुख खास तौर पर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) से प्रभावित था, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है और संप्रभुता के महत्वपूर्ण मुद्दे उठाता है।
- ब्राजील जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, यह निर्णय उसके कूटनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव को रेखांकित करता है, जो व्यापक बाहरी प्रभाव पर राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को प्राथमिकता देता है।

स्पेन राष्ट्रपति की भारत यात्रा

सन्दर्भ: हाल ही में स्पेन के राष्ट्रपति श्री पेड्रो सांचेज ने भारत की आधिकारिक यात्रा की, जोकि द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह यात्रा न केवल राष्ट्रपति सांचेज की भारत की पहली यात्रा है, बल्कि 18 वर्षों में स्पेन के किसी शासनाध्यक्ष द्वारा की गई पहली यात्रा भी है।

भारत-स्पेन आर्थिक एवं व्यापारिक संबंध:

- भारत-स्पेन व्यापारिक संबंधों में निरंतर वृद्धि देखी गई है तथा स्पेन यूरोपीय संघ में भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
- **कुल व्यापार (2023):** 8.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2022 से 4.2% की वृद्धि)।
- **भारत का स्पेन को निर्यात:** खनिज ईंधन, रसायन, लोहा और इस्पात, विद्युत मशीनरी, परिधान और समुद्री उत्पादों में 6.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर (5.2% की वृद्धि)।
- **स्पेन से भारत का आयात:** 1.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर (1.05% की वृद्धि), मुख्य रूप से मशीनरी और विनिर्मित वस्तुओं में।
- भारत-स्पेन संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग (जेसीईसी) और भारत-स्पेन सीईओ फोरम (2015) इन आर्थिक संबंधों को समर्थन देने वाले प्रमुख मंच हैं। ये निकाय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देते हैं, जिससे आर्थिक सहयोग पर नियमित बातचीत संभव होती है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई):

एफडीआई भारत-स्पेन आर्थिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है:

- **भारत में स्पेन का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश:** 3.94 बिलियन अमेरिकी डॉलर (अप्रैल 2000-दिसंबर 2023), स्पेन को भारत का 16वां सबसे बड़ा निवेशक माना गया। भारत में 280 से ज्यादा स्पेनिश कंपनियाँ धातुकर्म, नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोटिव और बुनियादी ढाँचे सहित कई क्षेत्रों में काम करती हैं, जिनमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात प्रमुख निवेश केंद्र हैं।
- **स्पेन में भारतीय एफडीआई:** स्पेन में लगभग 80 भारतीय कंपनियाँ (900 मिलियन अमेरिकी डॉलर एफडीआई) हैं, जिनमें से अधिकांश आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में हैं। इससे भारत स्पेन के शीर्ष 30 वैश्विक निवेशकों में से एक और एशिया के शीर्ष 5 निवेशकों में से एक बन गया है।

सामरिक एवं रक्षा सहयोग:

- रक्षा सहयोग भारत-स्पेन संबंधों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है।
- फाइनल असेंबली लाइन (FAL) प्लांट भारत की पहली निजी सैन्य परिवहन विमान सुविधा है। एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ साझेदारी में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) द्वारा विकसित इस परियोजना के तहत 2.5 बिलियन डॉलर के अनुबंध में 56 C295

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

विमानों में से 40 को भारत में असेंबल किया जाएगा।

- यह सुविधा 2026 तक अपना पहला 'मेड-इन-इंडिया' C295 विमान वितरित करेगी, जबकि सभी डिलीवरी 2031 तक पूरी हो जाएंगी। यह परियोजना भारत में एक पूर्ण एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रही है, जिसमें भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और कई निजी एमएसएमई का योगदान शामिल है।

आतंकवाद निरोध और साइबर सुरक्षा:

- भारत और स्पेन के बीच आतंकवाद निरोध तथा खुफिया जानकारी साझा करने में सहयोग जारी है, जिससे वैश्विक सुरक्षा संबंधी आपसी चिंताओं का समाधान हो सके।

सतत विकास और जलवायु कार्रवाई:

- भारत और स्पेन दोनों ही पेरिस समझौते का समर्थन करते हैं और जलवायु परिवर्तन पहलों पर मिलकर काम करते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा में स्पेन की विशेषज्ञता भारत के हरित ऊर्जा स्रोतों, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के विस्तार के लक्ष्यों को पूरा करती है। दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के तहत सहयोग करते हैं, जिसमें स्पेन सतत विकास पर भारत के फोकस के साथ जुड़ता है।

बहुपक्षीय सहयोग:

- भारत और स्पेन बहुपक्षीय जुड़ाव के लिए साझा मंचों का उपयोग करते हैं:
  - **संयुक्त राष्ट्र (यूएन):** दोनों देश वैश्विक शांति, सतत विकास और मानवीय प्रयासों पर सहयोग करते हैं।
  - **जी-20:** जी-20 के सदस्य के रूप में भारत और स्पेन वैश्विक आर्थिक मुद्दों, जलवायु परिवर्तन और व्यापार सुधारों से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
  - **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए):** स्पेन की आईएसए सदस्यता सौर ऊर्जा और टिकाऊ पहलों पर सहयोग को मजबूत करती है।

स्पेन में भारतीय प्रवासी:

- स्पेन में भारतीय समुदाय, हालांकि अपेक्षाकृत छोटा है, फिर भी यह तेजी से विस्तारित हो रहा है। 2023 तक, लगभग 55,000 भारतीय नागरिक स्पेन में निवास करते हैं। ये नागरिक आतिथ्य, खुदरा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं, जिससे स्पेनिश समाज का समृद्धिकरण हो रहा है।

निष्कर्ष:

भारत और स्पेन के बीच बढ़ते संबंध रक्षा आधुनिकीकरण, आर्थिक सहयोग और सतत विकास के प्रति आपसी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करते हैं। वडोदरा में C295 FAL संयंत्र, रक्षा विनिर्माण के एक नए चरण का प्रतीक है और यह दोनों देशों के बीच एक लचीले और सहकारी गठबंधन की स्थापना की दिशा में ठोस कदम है, जोकि दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभान्वित करेगा।

पॉवर पैक्ड न्यूज

डूमा बोको बोत्सवाना के नए राष्ट्रपति बने

- डूमा बोको को बोत्सवाना का नया राष्ट्रपति घोषित किया गया है, जो देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव है। वह अम्ब्रेला फॉर डेमोक्रेटिक चेंज (UDC) पार्टी से आते हैं और उन्होंने बोत्सवाना डेमोक्रेटिक पार्टी (BDP) का स्थान लिया है, जिसने कई वर्षों तक शासन किया है। मुख्य न्यायाधीश टेरेंस रानोवने ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर इस खबर की घोषणा की।
- बोत्सवाना में, नेशनल असेंबली के लिए 61 सदस्यों और 609 स्थानीय पार्षदों को चुनने के लिए चुनाव होते हैं। चुनाव जीतने के लिए, किसी पार्टी को नेशनल असेंबली में कम से कम 31 सीटों की आवश्यकता होती है। हाल के चुनावों में, UDC ने 34 सीटें जीतीं, जबकि BDP, जो 1966 में बोत्सवाना के स्वतंत्र होने के बाद से सत्ता में है, केवल 4 सीटें जीत पाई। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है क्योंकि यह पहली बार है जब BDP ने लगभग 60 वर्षों में अपना बहुमत खो दिया है। निवर्तमान राष्ट्रपति मोकग्वेत्सी मासीसी ने हार स्वीकार कर ली है।
- डुमा बोको ने 1987 में बोत्सवाना विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई शुरू की और कानून की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल करने के लिए हार्वर्ड लॉ स्कूल में दाखिला लिया। बोको ने बोत्सवाना विश्वविद्यालय में कानून के व्याख्याता के रूप में भी काम किया, जहाँ उन्होंने भावी वकीलों को प्रशिक्षित करने में मदद की।

भारत ने ब्रिसबेन में एक नया वाणिज्य दूतावास खोला

- हाल ही में, भारत ने ब्रिसबेन में एक नया वाणिज्य दूतावास खोला, जो ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह क्वींसलैंड में पहला भारतीय वाणिज्य दूतावास है जो मेलबर्न, पर्थ और सिडनी में मौजूदा वाणिज्य दूतावासों के अलावा ऑस्ट्रेलिया में भारत की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।
- वाणिज्य दूतावास का नेतृत्व महावाणिज्य दूत नीतू भगोटिया करेंगी, जिन्हें विभिन्न भारतीय मिशनों में काम करने का अनुभव है। वाणिज्य दूतावास की टीम क्वींसलैंड में भारतीय समुदाय, छात्रों और व्यवसायों का समर्थन करेगी और आर्थिक, शैक्षिक और अनुसंधान क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत करने के लिए काम करेगी।
- क्वींसलैंड भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है और यहाँ भारतीय मूल के लगभग 100,000 लोग रहते हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ECTA) ने निवेश, कृषि, विनिर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नए व्यापार अवसर पैदा किए हैं, जिसमें भारत क्वींसलैंड के लिए दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।